म्हारा मनडा रो बोले मोर बोले जय बाबोसा

म्हारे मनडा रो.....
म्हारे मनडा रो बोले मोर , बोले जय बाबोसा
जयकारा है चहु ओर , जय श्री बाबोसा
है दुख भंजन , छगनी नन्दन , धाम है चुरू नगरियाँ ,
म्हारे मनडा रे बोले मोर .....

कलयुग के हो देव तुम्ही , हम करते भाव से वंदन है,
कलयुग के हो देव तुम्ही , हम करते भाव से वंदन है.
तेरे दर्शन से सुख चैन मिले , मेरी सांसो में तेरा सुमिरन है,
तेरे नाम पे लिख दी हमने , अब ये सारी उमरियाँ,
म्हारे मनडा रो ....

जो तेरी शरण मे आता है , वो बिन बोले सब पाता है.
जो तेरी शरण मे आता है , वो बिन बोले सब पाता है
तुमसे मिलकर ऐसा लगता , मानो जन्मोजनम का नाता है,
पार करे भक्तो की नैया , बनकर तू ही खिवैया
म्हारे मनडा रो ....

देखके तेरे चमत्कार , ये दुनिया हुई दीवानी है
दिलबर तेरी महिमा को में, कैसे कहु जुबानी है
वैष्णवी चाहे छुटे जमाना , छूटे ना तेरी दुवरिया

म्हारे मनडा रे बोले मोर ....

✍ रचनाकार ✍
दिलीपसिंह सिसोदिया
❤ दिलबर ❤
नागदा जक्शन म.प्र.

Source:
https://www.bharattemples.com/mhara-manda-ro-bole-mor-bole-jai-babosa/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw